2 करोड़ 25 लाख की खेल छात्रवृत्ति ले चुके हैं खिलाड़ी भैया-बहन

विद्यालय की हैंडबाल की टीम के खिलाड़ी भैया-बहनों ने हरियाणा सरकार व भारत सरकार द्वारा आयोजित अनेक प्रतियोगिताओं में अपनी लम्बी पदक तालिका बनाकर राज्य सरकार द्वारा नकद खेल राशि व छात्रवृत्ति अब तक 70 खिलाड़ी छात्रों को मिल चुकी है, जिसकी राशि 2 करोड़ 25 लाख रुपए रही है।

विद्यालय के खिलाड़ी किसी रत्न से कम नहीं : प्राचार्य

विद्यालय के खेल विभाग ने बताया कि इतनी बड़ी इनामी राशि जीतना यह दर्शाता है कि सफलता के पीछे खिलाड़ी छात्रों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। जहाँ एक ओर इतनी भारी भरकम राशि छात्रों को मिली है, तो वहीं दूसरी ओर रेलवे, पुलिस, आर्मी, एयरफोर्स, नेवी व अन्य विभागों में खेल कोटे से अपनी राजकीय सेवाएं खिलाड़ी भैया-बहन दे रहे हैं। सभी उपलब्धियाँ विद्यालय के नाम को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकाती हैं।

प्राचार्य बलबीर सिंह ने कहा कि गोपाल विद्या मंदिर खेल के क्षेत्र में सदा अग्रणीय भूमिका में रहा है। खिलाड़ी भैया-बहन हमारे किसी रत्न से कम नहीं हैं।

मीनू
रेलवे क्लर्क

प्रियंका
रेलवे टीसी

काजल सैनी
रेलवे क्लर्क

निक्की
रेलवे क्लर्क

सिमरन
रेलवे क्लर्क

ज्योति
रेलवे क्लर्क

साक्षी
शिक्षा विभाग

बबीता
रेलवे टीसी

सन्नी डागर
पटवारी

प्रदीप
हरियाणा पुलिस

ओलम्पिक खेल का इतिहास

विकास शर्मा
शारीरिक आचार्य

ओलम्पिक खेलों का इतिहास बहुत पुराना है। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन 1200 साल पूर्व योद्धा-खिलाड़ियों के बीच हुआ था। पुराने समय में शांतिपूर्ण समय अंतराल के दौरान योद्धाओं के बीच प्रतिस्पर्धा के साथ खेलों का विकास हुआ। शुरुआती दौर में दौड़, मुक्केबाजी, कुश्ती और रथों की दौड़ सैनिक प्रशिक्षण का हिस्सा हुआ करते थे। इनमें से सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले योद्धा प्रतिस्पर्धी खेलों में अपना दमखम दिखाते थे। प्राचीन काल में यह ग्रीस यानी यूनान की राजधानी एथेंस में 1896 में आयोजित किया गया था। ओलंपिया पर्वत पर खेले जाने के कारण इसका नाम ओलम्पिक पड़ा। ओलम्पिक में राज्यों और शहरों के खिलाड़ी भाग लेते थे। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ओलम्पिक खेलों के दौरान शहरों और राज्यों के बीच लड़ाई तक स्थगित कर दी जाती थी। इन खेलों में लड़ाई और घुड़सवारी काफी लोकप्रिय खेल थे। लेकिन उसके बाद भी सालों तक ओलम्पिक आंदोलन का स्वरूप नहीं ले पाया। तमाम सुविधाओं की कमी, आयोजन की मेजबानी की समस्या और खिलाड़ियों की कम भागीदारी-इन सभी समस्याओं के बावजूद धीरे-धीरे ओलम्पिक अपने मकसद में कामयाब होता गया।

योग में यज्ञा ने जीता सिल्वर मेडल

विद्यालय की छात्रा यज्ञा ने अंडर-14 में योग प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल उत्तर क्षेत्र की प्रतियोगिता में जीता। इससे पहले जिला व राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भी यज्ञा पुरस्कार जीत चुकी है। उत्तर क्षेत्र की प्रतियोगिता अमृतसर (पंजाब) में विद्या भारती द्वारा आयोजित की गई थी।

दक्ष ने नौकायन में जीता गोल्ड मेडल

विद्यालय के छात्र दक्ष नौकायन खेल को कक्षा छः से खेलते आ रहे हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता श्रीनगर डल लेक पर आयोजित हुई इसमें भी भैया दक्ष ने शानदार प्रदर्शन किया। हरियाणा सरकार द्वारा खेलो हरियाणा यूथ गेम में नौकायन प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीत कर विद्यालय का नाम रोशन किया। नौकायन के साथ-साथ भैया दक्ष बॉक्सिंग के खेल में भी अपनी प्रतिभा को चमकाने में लगे हुए हैं। इस राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि के लिए विद्यालय के प्राचार्य बलबीर सिंह ने छात्र व उनके माता-पिता को विशेष रूप से बधाई दी।

मुद्रक एवं प्रकाशक : बलबीर सिंह द्वारा क्रेजी प्रिंटिंग प्रैस, सलारपुर रोड, कुरुक्षेत्र मो. 9896390452 से मुद्रित करवाकर, कार्यालय गोपाल विद्या मंदिर, भिवानी रोड, फोन 01681-251239 से प्रकाशित। सम्पादक : दीपक कौशिक